

असाधारण ॰ EXTRAORDINARY

भाग II— सण्ड 3— उप-सण्ड (ii) PARI II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 681] नई विल्सी, बुधबार, मवस्बर 20, 1991/कार्तिक 29, 1913 No. 681] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 20, 1991/KARTIKA 29, 1913

इ.स. भाग को विक्त पृष्ठ संख्या दी जाती ही जिससे कि यह अलग संकल्प के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 20 नवस्पर, 1991

(प्राधिक कार्य शिभाग)

का. प्रा. 789(थ्र) :—केन्द्रीय सरकार मेरठ स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड, मेरठ द्वारा प्रितिभृति संविदा(वितिश्वन) अधिनियम, 1956(1956 का 42वां) की धारा 3 के अधीन मान्यता के लिये दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने और इस बात से संतुष्ट होने के बाद कि ऐसा करता व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदच्च अक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा उक्त एक्सचेंज को प्रितिभित्यों की संविदाओं के संबंध में ऐसी अतीं के अधीन जो बाद में निर्धारित की जाएंगी

या लागू की जाएंगी, उक्त धारा 4 के प्रधीन 20 नवस्बर, 1991 के ग्रारम्भ होने वाली तारीख में ग्रीर 19 नवस्बर, 1994 के दिन को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की ग्रवधि के लिये मान्यता प्रदान करती है।

[एफ.संख्या 1/33/एस.ई./90]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs) NOTIFICATIONS

New Delhi, the 20th November, 1991

S.O. 789(E).—The Central Government having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) by the Meerut Stock Exchange Ltd., Meerut and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, recognition to the said Exchange under the said section 4, for a period of three years commencing on the 20th November, 1991 and ending with the 19th day of November, 1994 in respect of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[File No. 1/33|SE|90]

का.श्रा. 790(ग्र):—चूंकि उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ नगर की निगमसीमाओं के श्रन्तगंत श्रानं वाले क्षेत्र में प्रतिभूतियों के लेन-देन के स्वरूप श्रीर उसकी मात्रा की ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट है कि ऐसा करना श्रावण्यक है;

इसलिये श्रव, केन्द्रीय सरकार प्रतिभृति संविदा (विनियमन) श्रधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की धारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्दारा यह घोषणा करती है कि उक्त धारा 13 उपरोक्त क्षेत्र पर लागू होंगी।

[एफ.सं. 1/33/एस.ई./90] कमल पाण्डे, संयुक्त सचिव

S.O. 790(E).—Whereas the Central Government is satisfied, having regard to the nature and volume of transactions in securities in the area covered by the municipal limit of the city of Meerut in the State of Uttar Pradesh, that it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 13 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby declares that the said section 13 shall apply to the said area.

[F. No. 1|33|SE|90] KAMAL PANDE, Jt. Secy.